कवन – 6

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल	Listening Skills
मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	Speaking Skills
पठन कौशल	Reading Skills
लेखन कौशल	Writing Skills

पाठमाला	Text Book
अभ्यास पुस्तिका	Work Book
व्याकरण	Grammar
रचनात्मक लेखन	Creative writing

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

अनुक्रमणिका

गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)

क्रम	प्रकरण	विधा	भाषायी कौशल (Language Skills)	पृष्ठ संख्या
1	नन्हा–मुन्ना राही हूँ	गीत	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	2
2	छोटा जादूगर	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	8
3	साइकिल की सवारी	हास्य–व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	18
4	काकी	कहानी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	32
5	पिंज़रे का जीवन	कविता	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	40
6	समय पर न मिलने वाले	हास्य–व्यंग्य	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	47
7	नीति के दोहे	दोहे	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	57
8	प्यार की जीत	एकांकी	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	63

व्याकरण एवं शब्दावली (Grammar and Vocabulary)

1	वर्ण विचार (Phonology)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	75
2	शब्द विचार (Morphology)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	78
3	संज्ञा (Noun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	82
4	सर्वनाम (Pronoun)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	85
5	विशेषण (Adjective)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	88
6	क्रिया (Verb)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	92
7	लिंग (Gender)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	95
8	वचन (Number)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	97
9	कि/की का प्रयोग	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	99

10	र के विविध रूप	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	100
11	विराम चिह्न (Punctuation)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	101
12	काल (Tenses)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	103
13	कारक (Case)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	105
14	विलोम शब्द (Antonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	108
15	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	109
16	समरूपी भिन्नार्थक (Homonyms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	110
17	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substiution)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	111
18	अनेकार्थी शब्द (Words with various meanings)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	112
19	मुहावरे (Idioms)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	113

रचनात्मक लेखन (Creative writing)

1	अपठित गद्यांश (Unseen passage)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	116
2	पत्र लेखन (Letter Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	126
3	निबंध लेखन (Essay Writing)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	136
4	चित्र वर्णन (Picture Description)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	146
5	कविता लेखन (Poetry writings)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	154

रचनात्मक लेखन (Creative writing)

1	वार्तालाप (संवाद) एवं उद्घोषणा (Conversation & Announcements)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	161
2	समाचार (News)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	163
3	कहानी (Story)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	167
4	साक्षात्कार एवं फिल्म समीक्षा (Interview and Film Review)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	170
5	व्यक्तित्व परिचय (Biographical sketch)	श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills)	171
6	ज्ञानवर्धक (Informative)	पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills)	172

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)

1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – परिचय, महत्व, उद्देश्य, विधियाँ, समस्याएँ, समाधान एवं विषय	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills)	174

गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)

पठन एवं लेखन कौशल
(Reading and writing skills)

- नन्हा मुन्ना राही हूँ
- छोटा जादूगर
- साइकिल की सवारी
- काकी
- पिंजरे का जीवन
- समय पर न मिलने वाले
- नीति के दोहे
- प्यार की जीत

नन्हा मुन्ना राही हूँ

– शकील बदायूँनी

उद्देश्य –

इस गीत को पढ़कर –

- विद्यार्थियों में निडरता का भाव उत्पन्न होगा।
- देश–प्रेम की भावना का विकास होगा।
- लय के साथ गीत का रसास्वादन करने में सफल होंगे।
- हृदय में राष्ट्र के प्रति संवेदना उत्पन्न करना।
- जीवन में आने वाली कठिनाईयों का, डर का मुकाबला करना।
- साहस और वीरता का भाव जगाना।

विचारणीय प्रश्न – (Statement of Inquiry)

- देशप्रेम की भावना, हम में न सिर्फ देशप्रेम का संचार करती है वरन् हमें अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों की याद भी दिलाती है।

विचारात्मक प्रश्न – (Inquiry Questions)

- जब आप देशभक्ति से संबंधित कोई कविता/गीत पढ़ते या सुनते हो तो कैसा महसूस करते हो?
- विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना को कैसे विकसित किया जा सकता है?
- आपके अनुसार सच्चा देश प्रेम क्या है?

लेखक परिचय

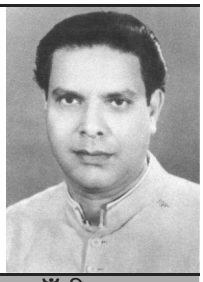

पूरा नाम	शकील बदायूँनी
जन्म	3अगस्त 1916
जन्म स्थान	बदायूँ, उत्तरप्रदेश
मृत्यु	20अप्रैल 1970
पिता	मोहम्मद जमाल अहमद
कार्यक्षेत्र	गीतकार, शायर
शिक्षा	बी.ए
मुख्य फिल्में	दर्द, चौदहवीं का चाँद, मेला, मदर इंडिया, दुलारी, मुगले आज़म आदि।
पुरस्कार एवं सम्मान	लगातार तीन बार फिल्मफेयर पुरस्कार

आइए शुरू करें –

कविताएँ तो आपने बहुत पढ़ी और सुनी होगी। क्या आप कविता और गीत में अंतर जानते हो? मशहूर गीतकार गुलज़ार के शब्दों में – "कवि जो कुछ अनुभव करता है कविता में उसकी अभिव्यक्ति करता हैं। जबकि फिल्मों के गीत कई तरह के मानदंडों, सीमाओं जैसे कहानी, स्थिति, चरित्र और चरित्रों की भाषा से बंधे होते हैं। कविता में इस तरह का बंधन नहीं होता।" तो आइए नज़र डालते हैं, शकील बदायूँनी द्वारा रचित सुप्रसिद्ध गीत पर .....

नन्हा–मुन्ना राही हूँ

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ।

बोलो मेरे संग, जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद।।

रास्ते पे चलूँगा न डर–डर के,
चाहे मुझे जीना पड़े मर–मर के,
मंज़िल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे–ही–आगे बढ़ाऊँगा कदम,

धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे–भरे खेत लहराएँगे वहाँ,
धरती पे फ़ाके न पायेंगे जनम,
आगे–ही–आगे बढ़ाएँगें कदम,

नया है ज़माना मेरी नयी है डगर
देश को बनाऊँगा मशीनों का नगर
भारत किसी से रहेगा न कम
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,

बड़ा होके देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा,
रखूँगा ऊँचा तिंरगा परचम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,

शांति की नगरी है मेरा ये वतन,
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन,
दुनिया में गिरने न दूँगा कभी बम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम!
नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ,
बोलो मेरे संग
जयहिंद, जयहिंद, जयहिंद।

(Mind Map)

मैं देश का नन्हा मुन्ना राही हूँ।

चाहें रास्ते में कितनी भी मुश्किलें क्यों न आए लेकिन मैं आगे बढ़ता रहूँगा।

बड़े होकर मैं देश का नाम रोशन करूँगा और देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाऊँगा।

मैं पूरी दुनिया को शांति का संदेश दूँगा और निरंतर आगे बढ़ता रहूँगा।

शब्द संपदा

राही – पथिक, राहगीर, यात्री।
फाके – गरीबी के कारण भूखा रहना।
आँखों का तारा – अत्यंत प्रिय
चलन – रिवाज़, किसी चीज़ का व्यवहार

प्रश्न – 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क– 'जय हिंद' बोलने के लिए कौन कह रहा है ?

ख– 'मशीनों का नगर' से आप क्या समझते हैं ?

ग– 'दुनिया में कहीं न गिरने दूँगा बम' से क्या तात्पर्य है ?

घ– नन्हा मुन्ना राही कौन है ? वह अपने साथ कौन सा नारा लगाने को कहता है ?

ङ– भारतीय ध्वज तिरंगे के बारे में बच्चे के क्या विचार हैं ?

च– हरे–भरे खेत कब और कैसे लहलहाएँगें ?

छ– आप देश के विकास में कैसे योगदान दे सकते हैं ?

ज– विश्व में भारत किसका पाठ पढ़ाना चाहता है और क्यों ?

प्रश्न –2 **नीचे दिए गए शब्दों के करीबी अर्थ दायीं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्ठक में लिखें।**

1–	देश	☐	क–	भूमि
2–	रास्ता	☐	ख–	डगर
4–	मंज़िल	☐	घ–	संसाऱ
5–	कदम	☐	ङ–	वतन
6–	धूप	☐	च–	सितारा
7–	धरती	☐	छ–	शहर
8–	नगर	☐	ज–	मार्ग
9–	दुनिया	☐	झ–	घाम
10–	तारा	☐	ञ–	लक्ष्य

प्रश्न –3 **निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए –**

क– फाके _____

_____

ख– आँखों का तारा _____

_____

ग– चलन _____

_____

प्रश्न –4 **नीचे दिए गए शब्दों के विपरीतार्थी शब्द दायीं ओर से चुनकर उनके वर्ण कोष्ठक में लिखें।**

1–	जय	☐	क–	मरण
2–	डर	☐	ख–	ज्यादा
3–	जन्म	☐	ग–	अशांति
4–	नया	☐	घ–	पराजय
5–	कम	☐	ङ–	पुराना
6–	आगे	☐	च–	निडर
7–	सहारा	☐	छ–	पीछे
8–	शांति	☐	ज–	बेसहारा

परिचर्चा

एक विद्यार्थी किस प्रकार देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है? इस विषय पर अपने मित्रों से परिचर्चा कीजिए।

साहित्यिक विमर्श

कविता और गीत के अंतर को विस्तार से समझिए।

परियोजना कार्य

इस गीत को अपनी आवाज़ में रिकॉर्ड कीजिए।

विचार लेखन

देशभक्ति के नारे बनाइए।

विचाराभिव्यक्ति

'मेरे सपनों का भारत' इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

गतिविधि

देशभक्ति के अन्य गीतों का काव्यपठन कीजिए।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं गीत के मूल भाव को समझ चुका/चुकी हूँ।			
2	छोटे से छोटा बच्चा भी देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है। इस बात को मैं समझ चुका/ चुकी हूँ।			
3	गीत को सही उच्चारण एवं लय में गाने में सक्षम हूँ।			

व्याकरण एवं शब्दावली
(Grammar and Vocabulary)

- वर्ण विचार **(Phonology)**
- शब्द विचार **(Morphology)**
- संज्ञा **(Noun)**
- सर्वनाम **(Pronoun)**
- विशेषण **(Adjective)**
- क्रिया **(Verb)**
- लिंग **(Gender)**
- वचन **(Number)**
- कि/की का प्रयोग
- 'र' के विविध रुप
- विराम चिह्न **(Punctuation)**
- काल **(Tenses)**
- कारक **(Case)**
- विलोम शब्द **(Antonyms)**
- पर्यायवाची शब्द **(Synonyms)**
- समरूपी भिन्नार्थक **(Homonyms)**
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द **(One word substitution)**
- अनेकार्थी शब्द **(Words with various meanings)**
- मुहावरे **(Idioms)**

विशेषण (Adjective)

विशेषण – संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द 'विशेषण' कहलाते हैं।

जैसे – बड़ा, लंबा, दयालु, भारी, सुंदर, कायर, टेढ़ा–मेढ़ा, एक, दो आदि।

विशेष्य – जिस संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द की विशेषता बताई जाए वह विशेष्य कहलाता है।

जैसे – श्रेया सुंदर है। इसमें 'सुंदर' विशेषण है और 'श्रेया' विशेष्य है। विशेषण शब्द विशेष्य से पूर्व भी आते हैं और उसके बाद भी।

विशेषण के भेद – विशेषण के चार भेद हैं–

1– गुणवाचक विशेषण
2– परिमाणवाचक विशेषण
3– संख्यावाचक विशेषण
4– सार्वनामिक विशेषण

1. **गुणवाचक विशेषण** – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के गुण–दोष का बोध हो वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे –

(1) **भाव** – अच्छा, बुरा, कायर, वीर, डरपोक आदि।
(2) **रंग** – लाल, हरा, पीला, सफेद, काला, चमकीला आदि।
(3) **दशा** – पतला, मोटा, सूखा, भारी, गीला, गरीब, स्वस्थ, पालतू आदि।
(4) **आकार** – गोल, सुडौल, नुकीला, चौकोर आदि।
(5) **समय** – अगला, पिछला, दोपहर, संध्या, सवेरा आदि।
(6) **स्थान** – भीतरी, बाहरी, भारतीय, पंजाबी, विदेशी आदि।
(7) **गुण** – भला, बुरा, सुंदर, मीठा, खट्टा, दानी, सच्चा, झूठा, सीधा आदि।
(8) **दिशा** – उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी आदि।

2. **परिमाणवाचक विशेषण** – जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा अथवा नाप–तोल का ज्ञान हो वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद है–

(1) **निश्चित परिमाणवाचक विशेषण** – जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की निश्चित मात्रा का ज्ञान हो।

जैसे– (क) मेरी शर्ट में दो मीटर कपड़ा लगेगा।
(ख) पाँच किलो चीनी ले आओ।

(2) **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण –** जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का ज्ञान हो।

जैसे– (क) थोड़ा–सा आटा ले आओ।
(ख) कुछ आम दे दो।

3. **संख्यावाचक विशेषण –**जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– एक, दो, द्वितीय, दुगुना, चौगुना, पाँचों आदि।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद हैं–

(1) **निश्चित संख्यावाचक विशेषण –** जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का बोध हो।

जैसे – दो पुस्तकें मेरे लिए ले आना।

(2) **अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण–** जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का बोध न हो।

जैसे– कुछ बच्चे पार्क में खेल रहे हैं।

4. **सार्वनामिक विशेषण –** जो सर्वनाम संकेत द्वारा संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

(1) **परिमाणवाचक विशेषण और संख्यावाचक विशेषण में अंतर–**

जिन वस्तुओं की नाप–तोल की जा सके उनके वाचक शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे – 'कुछ दूध लाओ'। इसमें 'कुछ' शब्द तोल के लिए आया है। इसलिए यह परिमाणवाचक विशेषण है।

जिन वस्तुओं की गिनती की जा सके उनके वाचक शब्द संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे – कुछ बच्चे इधर आओ। यहाँ पर 'कुछ' बच्चों की गिनती के लिए आया है। इसलिए यह संख्यावाचक विशेषण है। परिमाणवाचक विशेषणों के बाद द्रव्य अथवा पदार्थवाचक संज्ञाएँ आएँगी जबकि संख्यावाचक विशेषणों के बाद जातिवाचक संज्ञाएँ आती हैं।

(2) **सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–**

जिस शब्द का प्रयोग संज्ञा शब्द के स्थान पर हो उसे सर्वनाम कहते हैं।

जैसे – वह दिल्ली गया। इस वाक्य में वह सर्वनाम है। जिस शब्द का प्रयोग संज्ञा से पूर्व अथवा बाद में विशेषण के रूप में किया गया हो उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।

जैसे – वह रथ आ रहा है। इसमें वह शब्द रथ का विशेषण है। अतः यह सार्वनामिक विशेषण है।

विशेषण शब्दों की रचना

हिंदी भाषा में विशेषण शब्दों की रचना संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, अव्यय आदि शब्दों के साथ उपसर्ग, प्रत्यय आदि लगाकर की जाती है।

संज्ञा से विशेषण शब्दों की रचना

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
धन	धनवान	नियम	नियमित
पर्वत	पर्वतीय	प्रकृति	प्राकृतिक
मुख	मौखिक	संसार	संसारिक
आदर	आदरणीय	ईश्वर	ईश्वरीय
राष्ट्र	राष्ट्रीय	दर्द	दर्दनाक
अनुभव	अनुभवी	जंगल	जंगली
अपराध	अपराधी	जहर	जहरीला
झगड़ा	झगड़ालू	नीति	नैतिक
उपयोग	उपयोगी	अधिकार	अधिकारी
बाहर	बाहरी	स्वर्ग	स्वर्गीय
भारत	भारतीय	परिवार	परिवारिक
अंक	अंकित	अर्थ	आर्थिक
शक्ति	शक्तिशाली	भाग्य	भाग्यशाली
मिठास	मीठा	चमक	चमकीला

सर्वनाम से विशेषण शब्दों की रचना

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
कोई	कोई–सा	जो	जैसा
कौन	कैसा	वह	वैसा
मैं	मेरा/मुझ–सा	हम	हमारा
तुम	तुम्हारा	यह	ऐसा

क्रिया से विशेषण शब्दों की रचना

किया	विशेषण	किया	विशेषण
भूलना	भुलक्कड़	खेलना	खिलाड़ी
घटना	घटित	लूटना	लुटेरा
रक्षा	रक्षक	मिलन	मिलनसार
पठ	पठित	लड़ना	लड़ाकू
लिखना	लिखित	पूजा	पूजनीय
अपमान	अपमानित	रखना	रखवाला

अभ्यास

प्रश्न – 1 विशेषण शब्द रेखांकित कीजिए और उनके भेद बताइए।

वाक्य	भेद
1– तीन कुत्ते सो रहे हैं।	_____
2– यह फल पक गया है।	_____
3– अंगूर मीठे होते हैं।	_____
4– मुझे लाल गुलाब पसंद हैं।	_____
5– यह पुस्तक अच्छी है।	_____
6– तुम्हारे पास कुछ सामान है।	_____

प्रश्न – 2 उचित विशेषण शब्द लगाकर वाक्य पूरे कीजिए।

1– करेला _____ होता है।
2– वह _____ सामान लाया।
3– यह कुत्ता _____ है।
4– घोंसले में _____ बच्चे हैं।
5– उसे _____ इनाम मिला।
6– दवाई के साथ _____ दूध पीना।

प्रश्न – 3 दिए गए संज्ञा शब्दों के लिए दो–दो विशेषण शब्द लिखिए।

1–	_____	_____	लड़का
2–	_____	_____	फूल
3–	_____	_____	नौकर
4–	_____	_____	गाय
5–	_____	_____	माला
6–	_____	_____	कमरा

प्रश्न – 4 दिए गए संज्ञा शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए –

1– सुख	_____	2– ग्राम	_____
3– आत्मा	_____	4– गुण	_____
5– अंश	_____	6– धर्म	_____

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं विशेषण के बारे में जान चुका/चुकी हूँ।			
2	मैं विशेषण के भेद बारे में समझ चुका/ चुकी हूँ।			
3	मैं विशेषण शब्दों की रचना कर सकता/ सकती हूँ।			

रचनात्मक लेखन
(Creative Writings)

- अपठित गद्यांश **(Unseen Passage)**
- पत्र लेखन **(Letter writing)**
- निबंध लेखन **(Essay writing)**
- चित्र वर्णन **(Picture discription)**
- कविता लेखन **(Poetry writing)**

अपठित गद्यांश
(Unseen Passage)

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना।
- विद्याथियों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना।
- विद्याथियों की सोचने समझने की शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में सही जानकारी का चयन करने की शक्ति का विकास करना।

अपठित का अर्थ है – अ+ पठित। अर्थात जो पहले न पढ़ा गया हो।

उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- पूरे गद्यांश को दो बार ध्यान से पढ़ें तथा उसका आशय समझें।
- अब आप नीचे दिए गए प्रश्नों को पढ़ें।
- ध्यान से पढ़ने के बाद जिन प्रश्नों के उत्तर मिलते जाएँ उन्हें रेखांकित करते जाएँ।
- जिन प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट रह गए हों उन्हें फिर से सावधानीपूर्वक पढ़ें।
- उत्तर स्पष्ट तथा संक्षिप्त होने चाहिए।
- उत्तर सरल भाषा में लिखें।

एक उदाहरण

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई। हवा ने सूरज से कहा – मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ। सूरज ने हवा से कहा–''मुझमें तुमसे ज़्यादा ताकत है। इतने में हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी। हवा ने कहा – इस तरह बहस करने से कोई फायदा नहीं है। जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वही ज्यादा बलवान है। सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा – ठीक है। दिखाओ अपनी ताकत। हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की।

प्रश्न – किसमें बहस छिड़ गई ?
उत्तर – हवा और सूरज में बहस छिड़ गई।

प्रश्न – हवा ने सूरज से क्या कहा ?
उत्तर – हवा ने सूरज से कहा कि मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ।

प्रश्न – सूरज ने हवा से क्या कहा ?
उत्तर – सूरज ने हवा से कहा कि मेरे अंदर तुमसे अधिक ताकत है।

प्रश्न – हवा की नज़र किस पर पड़ी ?
उत्तर – हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी।

प्रश्न – सूरज हवा की कौन–सी बात मान गया ?
उत्तर – सूरज हवा की यह बात मान गया कि जो उस आदमी का कोट उतरवा देगा, वही हम दोनों में से बलवान होगा।

अपठित गद्यांश – 1

संबंध – नन्हा मुन्ना राही हूँ

आज देश स्वतंत्र है। हमें अपनी शक्ति में वृद्धि करनी है जिससे हमारी नवीन स्वतंत्रता की रक्षा हो सके। आए दिन ऐसे संकट हमको चुनौती देते रहते हैं, जिनसे निपटने के लिए एक शक्तिशाली सेना की आवश्यकता है। अगर स्कूलों में ही देश–सेवा की भावना पक्की हो जाए। तो भविष्य के लिए यह बहुत बड़ी शक्ति हो सकेगी। प्राचीन काल में भी आश्रमों में छात्रों के लिए वेद–शास्त्रों के साथ–साथ अस्त्र–शस्त्र की शिक्षा का भी प्रबंध होता था। द्रोणाचार्य ने कौरवा और पांडवों को अपने आश्रम में सैन्य–शिक्षा दी थी। सैनिक शिक्षा से व्यक्ति में तत्परता, सेवा, निर्भयता, परिश्रमशीलता के साथ–साथ अनुशासन जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है, जो जीवन के संघर्ष में व्यक्ति की सहायता करते हैं। भारतीय संस्कृति शांति प्रधान है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम अपनी शक्ति में वृद्धि न करें। आज सारा संसार सैनिक शिक्षा पर जितना ध्यान दे रहा है, उसे देखते हुए हमारे लिए भी इस ओर कदम उठाना आवश्यक हो जाता है।

दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1– हमें अपनी शक्ति में वृद्धि क्यों करनी चाहिए?

_____

_____

2– प्राचीन काल में आश्रमों में कैसी शिक्षा दी जाती थी?

_____

_____

3– सैन्य शिक्षा से किन मानवीय गुणों का विकास होता है?

_____

_____

5– सही मिलान करके लिखिए।

प्राचीन	संस्कृति	_____	_____
शक्तिशाली	शिक्षा	_____	_____
भारतीय	शीलता	_____	_____
सैन्य	सेना	_____	_____
परिश्रम	काल	_____	_____

6– गद्यांश में आए 'ता' प्रत्यय के शब्द छाँटकर लिखिए।

_____ _____ _____

_____ _____ _____

अपठित गद्यांश के मानदंड

	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की आवश्यकता
पठन एवं अर्थग्रहण	गद्यांश / पद्यांश को समझकर उसके उचित अर्थबोध करने में सक्षम।	गद्यांश / पद्यांश को सही ढ़ंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	गद्यांश / पद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित।	गद्यांश / पद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट।
व्याकरणिक शुद्धता	विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ सरल, सहज, तथा शुद्ध वाक्य रचना।	विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ शुद्ध वाक्य रचना।	वर्तनी की आंशिक गलतियों के साथ विराम चिह्नों में त्रुटियाँ।	वर्तनी की अधिक त्रुटि के साथ वाक्य रचना।
कार्य प्रस्तुति	अपनी भाषा के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति।	अपनी भाषा के साथ उचित प्रस्तुति।	अपनी भाषा के साथ सामान्य प्रस्तुति।	गद्यांश / पद्यांश से सीधे–सीधे उत्तर उतारना।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)				
क्रम	**मूल्यांकन के विषय**	**मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।**	**मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।**	**थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।**
1	मैं गद्यांश / पद्यांश को पढ़कर समझने में सक्षम हूँ।			
2	मैं गद्यांश / पद्यांश के उत्तर अपनी भाषा में लिख सकता/सकती हूँ।			
3	उदाहरण रूपी गद्यांश / पद्यांश के माध्यम से अपठित गद्यांश संबंधी मेरी समझ विकसित हुई है।			
4	मानदंड के आधार पर मैं अपने द्वारा लिखे कार्य का मूल्यांकन कर सकता /सकती हूँ।			

श्रवण कौशल(Listening Skills)

- वार्तालाप (संवाद) एवं उद्घोषणा (Conversation and Announcement)
- समाचार (News)
- कहानी (Story)
- साक्षात्कार (Interview)
- फिल्म समीक्षा (Film Review)
- व्यक्तित्व परिचय (Biographical Sketch)
- ज्ञानवर्धक (Informative)

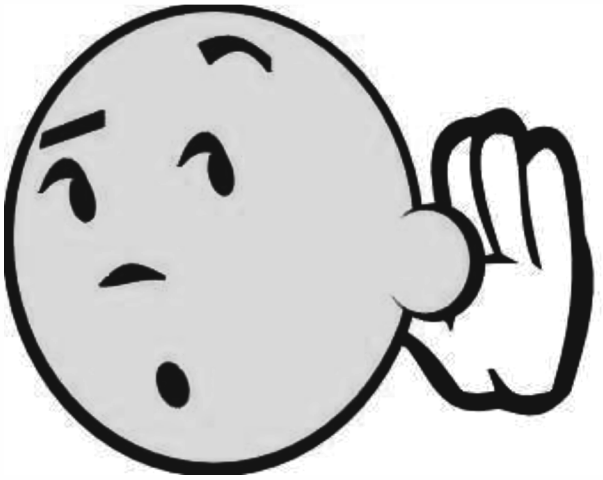

भाषायी कौशल (Language Skills)

श्रवण कौशल

मनुष्य में भाषा सीखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक रुप से विद्यमान रहती है। उसकी इस प्रवृत्ति का प्रमाण शैशवावस्था में मिल जाता है। जब वह अनुकरण के माध्यम से अपने माता–पिता तथा घर के अन्य सदस्यों से ध्वनियाँ ग्रहण करता है, ध्वनि समूहों को समझने लगता है और उन्हें बोलने लगता है। ये ध्वनियाँ ही बच्चे के भाषा ज्ञान का आधार बनती हैं अतः यह स्वाभाविक प्रवृत्ति ही उसे भाषा सीखने की ओर प्रशस्त करती है। अच्छी प्रकार से सुनने के कारण ही बालक ध्वनियों के सूक्ष्म अंतर को समझ पाता है। भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सामान्य रूप से विद्यालयों में इसके माध्यम से ही प्रारम्भ होती है। शिक्षक द्वारा श्रवण कौशल को विकसित करने के लिए छात्रों की रूचि का ध्यान रखते हुए उसके समक्ष सामग्री प्रस्तुत की जाती है, क्योंकि रूचिपूर्ण तथ्यों को छात्र ध्यानपूर्वक श्रवण करता है। कई बार ऐसा देखा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों की रूचि का ध्यान रखे बिना उन्हें कुछ ऐसा सुना देते हैं जिसमें उनकी रूचि नहीं होती। परिणामस्वरूप उनकी रूचि श्रवण में धीरे–धीरे कम होने लगती है। अगर शिक्षक इसके विपरीत कार्य करें जैसे कि ऐसा कुछ सुनाए जिसे विद्यार्थी सुनना पसंद करते हो तो धीरे–धीरे विद्यार्थी श्रवण में रूचि लेने लगता है और बाद में व्याकरण जैसे नीरस विषयों को सुनने के लिए तैयार हो जाता है।

वार्तालाप (संवाद) एवं उद्घोषणा

आप क्रमानुसार कुछ संक्षिप्त संवाद सुनेंगे। उनके आधार पर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर नीचे दी गई रेखा पर लिखिए। आपके उत्तर जहाँ तक हो सके संक्षिप्त होने चाहिए।

1– विमान में कब तक बैठे रहने के लिए कहा गया है?

2.1– पढ़ने के लिए आपको क्या करना होगा?

2.2– सामान पहचानने का आग्रह क्यों किया गया है?

3– महाकाल एक्सप्रेस कितनी देरी से चल रही है?

4– अपने मनपंसद गाने सुनने के लिए आप को कौन-सा नम्बर दबाना होगा?

5.1– ग्राहक ने कौन-सी चीज़ें खरीदी?

5.2– दुकानदार ने ग्राहक को कहाँ बैठने के लिए कहा?

समाचार

अब आप समाचार सुनेंगे। समाचार के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

11.1– भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच किस ट्रॉफी के अंतर्गत मैचे खेले जाएँगे ?

_____

_____

11.2– किस पिच पर पहली बार कोई टेस्ट मैच आयोजित किया जा रहा है ?

_____

दिए गए प्रत्येक कथन में रेखांकित की गई गलती को सही शब्दों या वाक्यांशों का प्रयोग करते हुए ठीक कीजिए।

11.3– विराट और स्मिथ दोनों की राय **समान** है।
विराट और स्मिथ दोनों की राय ---------- है।

11.4– पहले दो मैच बैंगलुरू और **करौंची** में हुए थे।
पहले दो मैच बैंगलुरू और ---------- में हुए थे।

11.5– ऑस्ट्रेलिया खेमा इस पिच को देखकर अपनी **खुशी** ज़ाहिर कर चुका है।
ऑस्ट्रेलिया खेमा इस पिच को देखकर अपनी ---------- ज़ाहिर कर चुका है।

समाचार

अब आप समाचार सुनेंगे। समाचार के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

12.1– रेलमंत्री ने किस आधार पर पड़ोसी देशों के साथ रेल सेवा शुरू करने की बात कही है ?

_____

_____

12.2– किन पड़ोसी देशों को रेल–मार्ग से जोड़ने की योजना है ?(कोई तीन)

_____

_____

कहानी

अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

16.1– क्या सोचकर अकबर ने बीरबल से यह प्रश्न पूछा ?

_____

_____

16.2– सभासद बीरबल की बात का विरोध क्यों न कर सके ?

_____

_____

दिए गए प्रत्येक कथन में रेखांकित की गई गलती को सही शब्दों या वाक्यांशों का प्रयोग करते हुए ठीक कीजिए।

16.3– यह बात तो सिवाय **बीरबल** के और कोई नहीं बता सकता।
यह बात तो सिवाय _____ के और कोई नहीं बता सकता।

16.4– उनके सामने भी यही **दृश्य** रखा गया।
उनके सामने भी यही _____ रखा गया।

16.5– बादशाह सलामत सदा **मौन** रहें।
बादशाह सलामत सदा _____ रहें।

16.6– बादशाह अकबर **प्रश्न** को सुनकर बड़े प्रसन्न हुए।
बादशाह अकबर _____ को सुनकर बड़े प्रसन्न हुए।

16.7– बीरबल को **दण्ड** भी दिया।
बीरबल को _____ भी दिया।

कहानी

अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

17.1– सियार रंगीन कैसे हो गया ?

_____

_____

17.2– सियार की पोल कैसे खुली ?

_____

_____

श्रवण कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की अति आवश्यकता
घटनाकम की कमानुसार प्रस्तुति	सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को कमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम	सुनाई गई प्रस्तुति की एक–दो घटनाएँ ही याद हैं वो भी कम में नहीं।
शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता	संपूर्ण प्रस्तुति में एक–दो स्थान पर ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में तीन–चार बार ध्यान भटका था।	संपूर्ण प्रस्तुति में बारम्बार ध्यान भटकता रहा।
मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम	मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल
भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग	प्रस्तुति की भाषा को ज्यों का त्यों उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

कम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ।			
2	मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के मुख्य विषय एवं विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान कर सकता/सकती हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Oral Expression Skills/ Speaking skills)

भाषायी कौशल (Language Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल(Oral Expression Skill/Speaking)

मौखिक अभिव्यक्ति का अर्थ सामान्यतः बोलने की प्रक्रिया से है। जब विद्यार्थी अपने विचारों एवं भावों को स्पष्ट रूप से प्रकट करने का प्रयास करता है, तो उसे मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है। मानव अधिकतर अपनी अनुभूतियों एवं मन के भावों को व्यक्त करने के लिए मौखिक भाषा का ही प्रयोग करता है। मौखिक अभिव्यक्ति में विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति के आधार पर ही उनकी अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जाता है। जब एक विद्यार्थी सस्वर एवं धारा प्रवाह रूप में बोलते हुए अपने विचारों को प्रस्तुत करता है, तो यह माना जाता है कि उसमें मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की योग्यता है। वहीं जब कोई विद्यार्थी इसमें निष्फल होता है तो कहा जाता है कि वह मौखिक अभिव्यक्ति कौशल को पूर्णरूप से आत्मसात नहीं कर सका। मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के लिए कहीं–कहीं पर वाचन कौशल जैसे शब्द का भी प्रयोग देखने को मिलता है। आधुनिक युग में जीवन की सफलता का आधार बहुत हद तक हमारी मौखिक अभिव्यक्ति पर निर्भर करता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की विधियाँ –वाचन कौशल को विकसित करने के लिए निम्नलिखित विधियों को अपनाया जा सकता है।

1:– प्रस्तुतीकरण
2:– यात्रा वर्णन
3:– पुस्तक समीक्षा
4– फिल्म समीक्षा
5– समाचार
6:– स्वरचित रचना
7:– उद्घोषणा
8:– भाषण
9:– चर्चा
10:– एकांकी और नाटक

मौखिक परीक्षण के अभ्यास हेतु कुछ विषय–

1– जीवन में खेलकूद का महत्व

नोट्स –

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के मानदंड

मानदंड	सदैव	अधिकतर	कभी–कभी	सुधार की अति आवश्यकता
बोधगम्यता	प्रस्तुति के सभी मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए।	प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे।	प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे।
भाषा और वाक्य रचना	विवरण में संयुक्त वाक्यों का इस्तेमाल एवं विचारों में क्रमकिता	विवरण में सरल वाक्यों का इस्तेमाल एवं विचारों में क्रमिकता	विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल, एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमिकता का अभाव	विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमिकता का अभाव
भाषा, शब्दावली का प्रयोग	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं।	व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव।	बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव।
प्रवाहिता एवं आधार	एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं।	कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच।	अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच	बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ।

स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

क्रम	मूल्यांकन के विषय	मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है।	मुझे थोड़ा समझ में आ गया है।	थोड़ी सहायता की आवश्यकता है।
1	मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ।			
2	मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ।			
3	मैं प्रस्तुति करते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ।			
4	मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ।			
5	मानदंड के आधार पर मैं मौखिक प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ।			